मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

अंक
जून 2024

विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित योग शिविर में योग करते मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट के सांसद अरुण गोविल।

सीएम से पीएम तक रह चुके हैं सीसीएसयू के छात्र 2

एकता और अनुशासन को जीवन में आत्मसात करें 3

योगमय हुआ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर 4

योगमय परिसर

सीसीएसयू के खेल मैदान में 15 से 21 जून तक भव्य योग शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान स्वामी कर्मवीर महाराज ने हजारों लोगों को योग के गुर सिखाए। चित्र में योग गुरु स्वामी कर्मवीर महाराज को पादप भेंट करते राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला। *(संबंधित खबरें पेज 4 पर)*

सीसीएसयू ने पौने दो लाख लोगों को दिलाई योग शपथ

गिनीज बुक में दर्ज हुआ नाम

लखनऊ में सीसीएसयू की कुलपति को प्रशस्ति पत्र प्रदान करतीं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल। साथ में मौजूद हैं विवि के अधिकारी और शिक्षक।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति के निर्देशन में 12 से 18 जून तक चले योग जागरूकता अभियान के दौरान लगभग पौने दो लाख लोगों को विश्वविद्यालय द्वारा योग शपथ दिलाने पर और यह उपलब्धि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज होने पर हर्ष जताया।

कुलपति ने कहा कि यह विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों, छात्रों, उनके परिवारजनों, पुरातन छात्रों, सम्मानित जन प्रतिनिधियों, मेरठ के नागरिकों और अन्य शिक्षण संस्थानों की मेहनत का परिणाम है और वे बधाई के पात्र हैं। सीसीएसयू द्वारा 1 लाख 76 हजार 115 लोगों को शपथ ग्रहण कराने पर कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ में सीसीएसयू की टीम को पुरस्कृत किया और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया।

समारोह में कुलसचिव धीरेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, प्रो. वीरपाल सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. राकेश कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे। साथ में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड के एक्जीक्यूटिव ऑडिटर भी मौजूद रहे।

परिसर में दो और शोधपीठ बनेंगी

चौधरी चरण सिंह और धनसिंह कोतवाल शोधपीठ को कार्यपरिषद की मंजूरी

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में चौधरी चरण सिंह और धन सिंह कोतवाल शोधपीठ की स्थापना की जाएगी। विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने एक बैठक में इस प्रस्ताव पर अपनी मुहर लगा दी है। शोधपीठ बनाने के लिए ग्रांट जारी करने के वास्ते राज्य सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजा जा रहा है।

बताया जाता है कि बागपत के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान और राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने सीसीएसयू में भारत रत्न चौधरी चरण सिंह और 1857 की क्रांति के

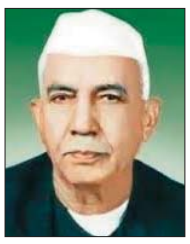

जननायक धन सिंह कोतवाल के नाम पर शोधपीठ बनाने के लिए कुलपति को पत्र लिखा था।

सांगवान ने पत्र में लिखा था कि विश्वविद्यालय में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा प्रदेश के बाकी जिलों के ग्रामीण क्षेत्र के छात्र–छात्राएं अध्ययन करते हैं। शोध में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का बड़ा नाम है। इसके चलते यहां पर चौधरी चरण सिंह शोध पीठ बनाया जाना बहुत जरूरी है।

राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने पत्र में लिखा था कि धन सिंह कोतवाल ने आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका निभाई थी। इसलिए उन पर शोध होना जरूरी है। इससे युवा पीढ़ी को धन सिंह कोतवाल के बारे में जानकारी मिल सकेगी। कार्य परिषद ने विचार–विमर्श के बाद इन दोनों ही प्रस्तावों पर अपनी मंजूरी दे दी है।

रमेश चंद बने विवि के स्थायी वित्त अधिकारी

मेरठ। विश्वविद्यालय को लंबे इंतजार के बाद स्थायी वित्त अधिकारी मिल गया है। शासन ने अभी तक बतौर अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे रमेश चंद को विश्वविद्यालय का स्थायी वित्त अधिकारी नियुक्त कर दिया है।

रमेश चंद एमडीए में वित्त नियंत्रक थे और सीसीएसयू का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। रमेश चंद को कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला सहित सभी शिक्षक एवं कर्मचारियों ने बधाई दी।

तिलक स्कूल को प्रदेश में पहली, देश में चौथी रैंक

'द वीक' की जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन संस्थानों की रैंकिंग में देशभर में मिला चौथा स्थान

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल को जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन संस्थानों की रैंकिंग में सरकारी संस्थानों में प्रदेश में पहला और देश में चौथा स्थान मिला है। प्रवेश की प्रक्रिया, गवर्नेंस, अकादमिक उत्कृष्टता, इन्फ्रास्ट्रक्चर, परिवेश, व्यक्तित्व व नेतृत्व क्षमता का विकास, करियर में प्रगति और प्लेसमेंट की उपलब्धता, पाठ्यक्रम में उद्देश्यपरकता, अवधारणा जैसी श्रेणियां इस रैंकिंग का आधार हैं। देशभर के मीडिया विश्वविद्यालयों और संस्थानों की यह रैंकिंग पत्रिका 'द वीक' और 'इंडिया टुडे' ने जारी की है।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार

तिलक स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी देते विभाग के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार (बीच में), डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव और डॉ. बीनम यादव।

ने विभाग में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि द वीक की रैंकिंग में देशभर में आईआईएमसी दिल्ली को प्रथम, एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर जामिया मीलिया इस्लामिया दिल्ली को द्वितीय और माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशंस भोपाल को तृतीय स्थान मिला है। पिछले वर्ष इस रैंकिंग में तिलक स्कूल देशभर के सरकारी विश्वविद्यालयों में छठे और सभी संस्थानों में 20वें स्थान पर था।

प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि इंडिया टुडे की रैंकिंग में देशभर के मीडिया संस्थानों में तिलक स्कूल आठवें स्थान पर है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर है। विभाग की इस उपलब्धि से विभाग के सभी विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी हर्षित हैं। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने तिलक स्कूल के निदेशक, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि अपने दायित्वों को निपुणता के साथ निभाएं तथा छात्रों को अच्छा वातावरण देने के साथ ही उनको इंडस्ट्री के अनुसार तैयार कर रोजगार के अवसर प्रदान कराएं।

अंक
जून 2024

मेरठ परिसर 2

पर्यावरण संरक्षण का संकल्प : 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने योग विज्ञान विभाग और माइक्रोबायोलॉजी विभाग के प्रांगण में पौधारोपण किया और सभी को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया।

● एक जुलाई को 60वें वर्ष में प्रवेश कर गया सीसीएसयू ● 1 जुलाई 1965 को शुरू हुआ था इस प्रतिष्ठित संस्थान का सफर

सीएम से पीएम तक रह चुके हैं सीसीएसयू के छात्र

निरंतर नई उपलब्धियों को छू रहा है चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

परिसर संवाददाता

मेरठ। चमचमाते चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की शुरुआत ऐसे ही नहीं हुई थी। मुश्किल परिस्थितियों में विवि शुरू हुआ था। 59 साल पहले 222 एकड़ में फैले विवि की पहली कक्षा टेंट–बल्ली लगाकर चलाई गई थी। आज अपने सीसीएसयू की गिनती प्रदेश के टॉप विवि में होती है। डिग्री–मार्कशीट, प्रोविजनल सर्टिफिकेट, माईग्रेशन तक ऑनलाइन हो गए हैं। नेट–गेट में सबसे ज्यादा होनहार हर साल सीसीएसयू से निकल रहे हैं। पढ़ाई के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी विवि अहम भूमिका निभा रहा है। बता दें कि सीसीएसयू एक जुलाई 2024 को 59 वर्ष पूरे कर 60 वें वर्ष में प्रवेश कर जाएगा। टैंट में एमफिल कक्षाओं के साथ शुरू होने वाला विवि आज ए प्लस प्लस ग्रेड लेने के साथ ही विभिन्न कोर्स की पढ़ाई करा रहा है। शिक्षा की अलख जगाकर विश्व पटल पर मेरठ का नाम रोशन करने वाले विवि का सफर परिसर के 242 कॉलेजों के करीब 14 हजार छात्रों से शुरू हुआ था, जो कि आज साढ़े चार लाख से ज्यादा पहुंच गया है। सीसीएसयू ने पीएम, सीएम, नेता, अभिनेता, शिक्षक, कुलपति, जज, सेनाध्यक्ष, सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक तक दिए हैं।

हर साल नंबरों में आसमान छू रहे छात्र : दीक्षांत में यूजी–पीजी के तमाम कोर्स में छात्र–छात्राएं 95 फीसदी तक भी नंबर ला रहे हैं। कोरोना महामारी के बावजूद विवि परीक्षा, ऑनलाइन कक्षाएं चलाकर छात्रों का मार्गदर्शन कर रहा है।

एक नजर

- 242 विद्यार्थियों से 1965 में हुई थी शुरुआत
- 14 कॉलेज संबंधित थे स्थापना के वक्त
- वर्तमान में साढ़े चार लाख विद्यार्थी
- 222 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला है विवि
- 56 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एमओयू
- 52 से अधिक पेटेंट मिल चुके है विवि को

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

हवन कर मनाया चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में सोमवार 1 जुलाई को स्थापना दिवस मनाया गया। विवि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर विधि–विधान से हवन किया।

कुलपति ने कहा कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय को पहले मेरठ विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था। इसकी स्थापना एक जुलाई 1965 को हुई थी। यह उत्तर प्रदेश के प्रमुख शैक्षिक संस्थानों में से एक है और अपने समृद्ध इतिहास और शैक्षिक गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है।

विश्वविद्यालय ने देश को कई प्रमुख नेता, न्यायाधीश, खिलाड़ी और मंत्री दिए हैं। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न उच्च पदों पर आसीन हो चुके हैं। विवि परिसर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें प्रमुख लाइब्रेरी, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और विभिन्न शैक्षिक विभाग शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि विवि परिसर स्थित योग विज्ञान विभाग द्वारा नित्य निशुल्क प्रयोगशाला का आयोजन भी किया जा रहा हैं, जिसमें शिक्षक, कर्मचारी, छात्र– छात्राओं के अतिरिक्त शहरी नागरिक भी स्वास्थ्य लाभ उठा रहे हैं।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा, साहित्यिक संस्कृत परिषद के अध्यक्ष प्रो. विघ्नेश कुमार त्यागी, प्रो. अत्तवीर सिंह, प्रो. आलोक कुमार, डॉ. जमाल अहमद सिद्दीकी, प्रो. संजीव आदि मौजूद रहे।

पुरातन छात्रों ने रोपे पौधे

विवि के स्थापना दिवस पर सोमवार को पुरातन छात्र कैंपस पहुंचे और पुरानी यादें ताजा कीं। शाम के समय पुरातन छात्रों ने परिसर में ही पौधे रोपे और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस दौरान डॉ. सोहन लाठर, डॉ. संजीव राठी, डॉ. देवपाल सिंह राणा, डॉ. उधम सिंह, डॉ. कपिल आदि मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित हवन में भाग लेतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षक।

बदली सीसीएसयू की वेबसाइट

मेरठ। विश्वविद्यालय ने वर्षों बाद अब अपनी नई वेबसाइट तैयार कराई है। नया सत्र शुरू होने से पहले ही पुरानी वेबसाइट को अपडेट कर दिया गया है। इसमें वेबसाइट के होम पेज पर ही विद्यार्थियों, कालेजों व अभिभावकों को विश्वविद्यालय में शुरू होने जा रहे ओडीएल यानी ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग से लेकर एनईपी–2020, कौशल शिक्षा आदि की जानकारी रोचक लोगो के साथ मुहैया कराई गई है।

इसमें प्रवेश, परीक्षा, पंजीकरण, नियुक्ति, टेंडर, रिसर्च, फीस आदि के साथ ही मान्यता, पाठ्यक्रम, नैक संबंधी तमाम जानकारियां मिल सकेंगी।

इसी सत्र से विश्वविद्यालय प्रवेशित विद्यार्थियों और कर्मचारियों का डाटा व उनसे जुड़ी तमाम गतिविधियों को भी समर्थ पोर्टल पर डाला जा रहा है। वेबसाइट हिंदी या अंग्रेजी में देख सकेंगे।

शुभारंभ **1965 में मेरठ विश्वविद्यालय (अब चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय) का शिलान्यास करते चांसलर बी. गोपाल रेड्डी।**

घर बैठे लाइब्रेरी में पढ़ सकेंगे छात्र

मेरठ। मेरठ मंडल के छह जिलों से चौ. चरण सिंह विवि कैंपस में पढ़ने के लिए आने वाले छात्रों को जल्द ही बड़ी सुविधा मिल जाएगी। कैंपस में पांच हजार छात्रों को अब पढ़ने के लिए केवल लाइब्रेरी में ही बैठने की अनिवार्यता नहीं होगी। छात्र अपनी लॉगइन आईडी से घर बैठे विवि लाइब्रेरी के ई–रिसोर्स को एक्सेस कर सकेंगे।

विवि ने उक्त सुविधा को 'रिमोट एक्सेस ऑफ ई रिसोर्स' का नाम दिया है। प्रो. जमाल अहमद सिद्दकी, लाइब्रेरियन, विवि कैंपस के अनुसार जुलाई सत्र से विवि रिमोट एक्सेस ऑफ ई–रिसोर्स' की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इसके बाद कैंपस में पंजीकृत छात्र कहीं से भी सेंट्रल लाइब्रेरी के ई–रिसोर्स को एक्सेस करते हुए पढ़ सकेंगे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

10 करोड़ से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक : सीसीएसयू परिसर स्थित खेल मैदान के ट्रैक पर 10 करोड़ रुपये की लागत से सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बनाया जाएगा। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह धनराशि विवि को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मिली है।

तिलक पत्रकारिता स्कूल में वीर सावरकर फिल्म की स्क्रीनिंग

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में रणदीप हुड्डा निर्देशित और निर्मित फिल्म स्वातंत्र्य वीर सावरकर की विशेष स्क्रीनिंग की गई। इस दौरन फिल्म चर्चा कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मेरठ चलचित्र सोसायटी के सचिव अमरीश पाठक ने किया। डॉ. नुपूर शैलेंद्र ने कहा कि भारतीय समाज होने के नाते हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि वीर सावरकर जैसी फिल्मों को हम सबको प्रयासपूर्वक परिवार सहित देखना चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक सुरेंद्र सिंह ने इंग्लैंड में रहते हुए वीर सावरकर द्वारा किए गए कार्यों के बारे में अनेक जानकारियां साझा कीं। इस दौरान विभाग के निदेशक प्रशांत कुमार और अन्य अनेक गण्यमान्य व्यक्तियों के अलावा शिक्षक और विभाग के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

एकता और अनुशासन को जीवन में आत्मसात करें

एनसीसी के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर कुलपति का आह्वान

दस दिवसीय एनसीसी प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को गॉर्ड ऑफ ऑनर देते एनसीसी कैडेट्स।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कैंपस में जून माह में दस दिवसीय एनसीसी कैडेट्स का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। समापन समारोह नेताजी सुभाष चंद्र बोस सभागार में हुआ। इसमें कर्नल पंकज साहनी और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला सहित एनसीसी अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और कर्नल पंकज साहनी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर किया। कुलपति ने अपने संबोधन में एनसीसी कैडेट्स से एकता और अनुशासन को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

कुलपति ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। लेफ्टिनेंट कर्नल दिव्या सिंह, लेफ्टिनेंट डॉ. अनिल यादव, प्रोफेसर वीरपाल, प्रोफेसर दिनेश कुमार, प्रोफेसर अनुज कुमार भी मौजूद रहे।

इससे पहले कुलपति का स्वागत कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया।

शिविर के दौरान कैडेट्स के ठहरने की व्यवस्था डॉ. एपीजे हॉस्टल, डॉ. आरके सिंह हॉस्टल और रानी लक्ष्मीबाई हॉस्टल में की गई थी।

योगासन में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

मेरठ। विश्वविद्यालय और जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से बृहस्पति भवन में जिला योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें करीब 250 छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया और अनेक हैरतअंगेज योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

दहेज की कुरीति को समाप्त करने का संकल्प लिया

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में पुरातन छात्र संवाद बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सीसीएसयू कैंपस में पढ़ाई करने वाले सैकड़ों पुरातन छात्र जुटे। उन्होंने कैंपस की अपनी पुरानी यादों को ताजा किया। एक–दूसरे के साथ बिताए सुनहरी पलों को याद कर भावुक हुए। साथ ही कई प्रस्ताव पारित किए। इनमें दहेज प्रथा जैसी कुरीति को जड़ से समाप्त करने का संकल्प भी लिया।

यह बैठक पहली बार आयोजित की गई। इसमें सत्र 91 से लेकर 2022 तक के पुरातन छात्र शामिल हुए। प्रो. जय कुमार सरोहा, डा. अजय पाल सिंह, प्रो. विजय मलिक, डा. कुलदीप उज्ज्वल, डा. कर्णवीर सिंह, डा. सोरन सिंह, डा. कुलदीप चौधरी, डा. संजीव डबास, डा. सुधीर मलिक, डा. राजीव बालियान व अधिवक्ता भावेश बेनीवाल व डा. रविंद्र राणा ने पुरानी यादों को ताजा किया।

वक्ताओं का कहना था कि छात्रों को उच्च शिक्षा एवं सीनियर के सहयोग को समझकर आगे बढ़ना चाहिए। आने वाली पीढ़ी नशा, झगड़े व सामाजिक कुरीतियों से दूर रहे इसका भी प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान डा. कपिल बिसला, डा. अमित तोमर, डा. कुलदीप पंवार, डा. विक्रांत जावला व भारत खोखर मौजूद रहे। संचालन अमित चौधरी ने किया।

सीसीएसयू में पुरातन छात्रों ने संवाद बैठक में यादों और अनुभवों को भी किया साझा

यह आठ प्रस्ताव हुए पारित

पुरातन छात्र संवाद बैठक के नाम से संगठन का पंजीकरण, प्रतिवर्ष कार्यक्रम का संकल्प, सीसीएसयू मूल्यांकन केंद्र का नाम महेंद्र सिंह टिकैत या पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह के नाम पर करने, विश्वविद्यालय के नाम में भारत रत्न शब्द जोड़ने, जाट समाज को आरक्षण दिलाने, समाज के गरीब छात्रों की आर्थिक मदद करने, पुरातन छात्र संकल्प पत्रिका का प्रकाशन व समाज से दहेज जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प शामिल है।

पुरातन छात्र संवाद में छात्र जीवन के दौरान एक दूसरे के लिए छांटे गए उपनामों पर खूब ठहाके गूंजे। मंच से सांभा, गूंगा, दुर्र, पटवा, विवेक, तमंचा व छैला जैसे नाम सामने आए तो ठहाके लगे। अधिकांश पुरातन छात्रों ने कौरवी बोली में अपनी यादें और रोचक किस्से साझा किए। पुरातन छात्र सुधीर को सबने अध्ययन के समय सांभा नाम दिया था। उनका ये नाम महफिल में गूंजता रहा। सुधीर ने स्टेज पर डांस किया तो तमाम पुरातन छात्र साथ आ गए। देव ने अपने गीतों से समां बांध दिया।

अतिथि सम्मान : योग शिविर के दौरान मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट से सांसद अरुण गोविल को स्मृति चिह्न भेंट करतीं चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

योगमय हुआ विश्वविद्यालय परिसर

शिविर में जनसमूह के साथ योग करते सांसद अरुण गोविल और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

योग से आते हैं सकारात्मक बदलाव

सात दिवसीय योग शिविर में स्वामी कर्मवीर महाराज ने बताए जीवन जीने के गुर

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के खेल मैदान में विश्वविद्यालय और क्रीड़ा भारती के सहयोग से 15 से 21 जून तक सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान योग गुरु स्वामी कर्मवीर महाराज ने लोगों को योग करना सिखाया और योग के लाभ बताए। उन्होंने कहा कि योग करने से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। योग केवल आसनों का नाम नहीं है, बल्कि यह एक जीवन पद्धति है।

स्वामी कर्मवीर ने कहा कि बिना विचार किए कोई भी काम नहीं करना चाहिए और हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। शिविर के दौरान स्वामी कर्मवीर महाराज ने प्रतिभागियों को अनेक प्रकार के आसन और प्राणायाम करने सिखाए। इसी दौरान उन्होंने अनेक बीमारियों को दूर करने के नुस्खे भी बतलाए।

योग शिविर में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के अतिरिक्त जनप्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इनमें मेरठ–हापुड़ लोकसभा सीट से सांसद अरुण गोविल, पूर्व सांसद डॉ. राजेंद्र अग्रवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर प्रमुख रहे।

शिविर की व्यवस्था क्रीड़ा भारती के जिलाध्यक्ष अश्विनी गुप्ता और उनकी टीम ने विश्वविद्यालय के सहयोग से संभाली।

केवल शपथ और योग दिवस तक सीमित न रहें

सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने विश्व योग दिवस के सफल आयोजन के बाद सभी साधकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए महत्वपूर्ण संदेश जारी किया और कहा कि योग दिवस के उपरांत भी योग का अभ्यास निरंतर जारी रहना चाहिए। योग केवल एक दिन का आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है जो हमें स्वस्थ और सशक्त बनाती है।

उन्होंने कहा कि विवि के योग विज्ञान विभाग द्वारा प्रतिदिन सुबह निशुल्क योगशाला का आयोजन किया जाता रहेगा और पिछले एक वर्ष से यह निरंतर प्रगति पर है। सभी से निवेदन है कि वे इसमें नियमित रूप से भाग लें।

योग कला का अद्भुत प्रदर्शन

योग शिविर में भारी संख्या में मौजूद लोग